॥ ओम शान्ति ॥

नवरात्री महोत्सव पर स्वमानों का अभ्यास

1/10/16 सर्व दु:खी और अशान्त आत्माओं को सुख, शान्ति का अमर वरदान देकर

2/10/16 सबकी मनोकामनाएँ पूर्ण करने वाली मैं **माँ जगदंबा** हूँ।

3/10/16 सर्व शक्तिमान परमात्मा शिव से प्राप्त ईश्वरीय शक्तियों द्वारा विकारों रुपी म्हैषासूर का नाश करने वाली मैं शिव स्वरुपा **माँ दुर्गा** हूँ।

4/10/16 सर्व आत्माओं को ज्ञान धन एवं गुण रुपी हीरे-मोतियों से सुसज्जित कर सुख समृद्धि का अखुट भंडारा देने वाली, सर्व की आराध्य देवी मैं **माँ लक्ष्मी** हूँ।

5/10/16 ज्ञान वीणा के झनकार द्वारा मानव को अज्ञान, अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाली मैं श्वेत वस्त्र धारिणी, हंस वाहिनी, तपस्विनी, ब्रह्माकुमारी **माँ सरस्वती** हूँ।

6/10/16 मनुष्य आत्माओं पर लगे हुए आसुरी संस्कारों के कलंक को मिटाने वाली मैं शिव शक्ति **माँ काली** हूँ।

7/10/16 विषय विकार मिटाकर सर्व मनुष्य मात्र में पवित्रता का प्रकाश भर उन्हें देवत्व प्रदान कराने वाली मैं **वैष्णव देवी** हूँ।

8/10/16 दु:खी और हताश मनुष्य आत्माओं के अंदर उमंग, उल्हास भरने वाली मैं **उमा देवी** हूँ।

9/10/16 विशाद में डूबे मनुष्य आत्माओं के दुखों को दूर कर सबके मन को हर्षने वाली, खुषी का वरदान लुटाने वाली मैं आनंदमय **गायत्री देवी** हूँ।

10/10/16 मैं उज्ज्वल, निर्मल, सर्व ईश्वरीय प्राप्तियों से संपन्न, असंतुष्ट आत्माओं को संतुष्ट करने वाली मैं संतुष्टमणी, राजयोगिनी, शिव शक्ति **माँ संतोषी** हूँ।

11/10/16 **मैं आत्मा सर्व विकारों रुपी रावण पर विजय प्राप्त कर बाप समान संपूर्ण बन गई हूँ।**